राजा मानसिंह तोमर संगीत एवंकला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

M.A in KATHAK – Ist YEAR - IInd SEM - REGULAR

2021-22

No	Subject Nature	Mid Term With Attendance	End Term	Total Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** 1. History and Development of Indian Dance-C1-MDK-203 2. Essay composition rhythmic pattern and principal of practical -C1-MDK-102	 30 30	 70 70	 100 100	 36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 3. Demonstration & Viva –C2-MDK-204 4. Stage Performance -C2-MDK-205	 30 30	 70 70	 100 100	 36% 36%

एम.ए. (नियमित)

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–2

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास

(History and Development of Indian Dance)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) भारत में लोकनृत्य का उद्‌भव एवं विकास का अध्ययन एवं भारतीय सामाजिक जीवन से सम्बन्ध।

(ब) नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्य के दस भेदो का अध्ययन।

इकाई–2

(अ) आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार स्थानक भेद।

(ब) नाट्यशास्त्र के अनुसार आंगिक अभिनय का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

(अ) कथक में नवीन प्रयोग एवं सम्भावनाएं।

(ब) नाट्यशास्त्र के अनुसार 1 से 30 करणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

(अ) नृत्य कला से सम्बन्धित प्राचीन आचार्य भरत का नाट्यशास्त्र, आचार्य नंदिकेश्वर का अभिनय दर्पण ग्रन्थों की जानकारी।

(ब) रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकाल में कथक नृत्य का विकास एवं उनका योगदान।

इकाई–5

(अ) भारत की विभिन्न नृत्य – शौलियों का अध्ययन।

(अ) कथकली नृत्य (ब) उड़ीसी नृत्य

(स) भरतनाट्यम नृत्य (द) मणिपुरी नृत्य

(ब) साहित्य एवं नृत्यकला का सहसम्बन्ध।

एम.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र–द्वितीय प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–2

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात।

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

अ. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबंध रचना।

(अ) अष्टनायिका भेदों का कथक नृत्य में प्रयोग।

(ब) कथक नृत्य में आंगिक और वाचिक अभिनय।

(स) कथक नृत्य एवं योग का सहसम्बन्ध।

इकाई–2

(अ) "शारदातनय का भाव प्रकाश" के विषय वस्तु का अध्ययन।

(ब) कथक नृत्य में भाव, विभाव, अनुभाव एवं संचारी भाव का महत्व।

इकाई–3

(अ) आधुनिक नृत्य (मॉडर्न डांस) का अध्ययन।

(ब) नाट्यशास्त्र के अनुसार देशीमार्गी का अध्ययन।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई ताल–

तीन ताल (16–मात्रा) बसंत (9–मात्रा) एवं शिखर (17–मात्रा) पर बोलो को लिपिबद्ध करने की क्षमता एवं लयकारी लेखन– आड़, कुआड़, बिआड़।

(ब) दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।

जैसे:–तत्, थुं, तक, धा, धिलांग, तकिट, धिकिट, नागेतिट, क्डधातेट, ता थेई, तत थेई, आ थेई, तिग्दादिगदिग थेई।

इकाई–5

अ. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता :–

(अ) द्रोपदी वस्त्र हरण (ब) अभिसारिका नायिका।

कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट–प्रायोगिक में मंच

एम.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य
प्रायोगिक 1 (वायवा / मंच प्रदर्शन)
(Viva/ Stage Performance)
सेमेस्टर–2

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

1. तीन ताल में तिस्त्र व मिश्र जाति की परन, नवहक्का, गणेश परन, विभिन्न प्रकार के कवित्त, अतीत। अनागत के बोल एवं तोड़ा एवं परन फरमाइशी चक्करदार के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–2

1. गतनिकास–घूँघट के विभिन्न प्रकार।
2. गतभाव– शूर्पणखा मानभंग अथवा सीताहरण।

इकाई–3

1. निम्नलिखित में से किसी एक ताल पर नृत्य प्रदर्शन की क्षमता–
   ताल बसंत और शिखर ताल।

इकाई–4

1. विष्णु वंदना एवं शिव वंदना पर भाव प्रदर्शन।
2. ठुमरी एवं तिरवट पर नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–5

1. आंतरिक मूल्यांकन– विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता।
2. पूर्व कक्षा में सीखी ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

प्रायोगिक–2

सेमेस्टर–2(मंच प्रदर्शन / वायवा)

(Stage Performance / Viva)

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

(1) आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

(2) एम.पी.ए में नृत्य संरचना (Choreography)

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण / नोटेशन (2) विश्वविद्यालय / महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध "जयपुर घराने के विषेष संदर्भ में"(डॉ. अंजना झा)